भारत ने की है तकनीकी क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में भारत तथा नेपाल से आये हुए अभियन्ताओं और वैज्ञानिकों को 'सुखमय जीवन के लिए आध्यात्मिक प्रज्ञा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिल्ली के इंजीनियर इंडिया लिमिटेड के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर ए.के.पुरवाहा ने कहा कि भारत ने तकनीकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति किया है। आज भारत के लोग पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान बना चुके हैं। अब आवश्यकता है कि मनुष्य अपनी सद्भाव प्रवृत्ति को आगे बढ़ाये।

अनुसूचित आयोग के सदस्य तथा भोपाल के राज्यमंत्री जगदीश रोकड़े ने कहा कि वैज्ञानिक और अभियंता ने मनुष्य के सुख और सुविधा के सभी साधन जुटाए पर उससे होने वाली दु:खद घटनाओं को नहीं रोका जा सका। इसके लिए मनुष्य को अपनी मनोवृत्ति और सोच को बदलना होगा।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यदि हर व्यक्ति चाहे वो किसी भी वर्ग का क्यों न हो, स्वयं में आध्यात्मिकता को धारण कर ले तो उसके द्वारा किया गया हर कार्य श्रेष्ठ होगा और दूसरों को सुख पहुंचाने वाला होगा। आज हर व्यक्ति जीवन में सुख व शांति चाहता है। जिसे हम राजयोग का अभ्यास कर सहज ही प्राप्त कर सकते हैं।

एचआरडी मुम्बई के वरिष्ठ सलाहकार प्रो.ई.वी.स्वामिनाथन ने कहा कि विज्ञान और अध्यात्म अगर मिल जाये तो एक सुखमय एवं स्वर्णिम संसार की परिकल्पना साकार हो जायेगी।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि स्वर्णिम दुनिया की स्थापना में आपका योगदान महत्वपूर्ण है। यदि आप स्वयं को परमात्मा से जोड़कर कार्य करेंगे तब आपके द्वारा किया गया कार्य बहुत ही श्रेष्ठ होगा और दूसरों के लिए भी प्रेरणादायी होगा।

इस कार्यक्रम को वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर ब्र.कु.मोहन सिंघल, राष्ट्रीय अध्यक्षा ब्र.कु.सरला सहित अनेक गणमान्य लोगों ने सम्बोधित किया। इस प्रभाग के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सभी ने इसकी उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

शांतिवन। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए दिल्ली के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर ए.के.पुरवाहा, अनुसूचित आयोग के सदस्य एवं राज्यमंत्री जगदीश रोकड़े, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.सरला, प्रो.ई.वी.स्वामिनाथन, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.मोहन सिंघल, ब्र.कु.भरत, ब्र.कु.भारतभूषण तथा अन्य।

जीवन को श्रेष्ठ बनाता है अध्यात्म - रोकड़े

ज्ञानसरोवर। आध्यात्मिकता के माध्यम से आत्मा को सशक्त बनाने व जीवन को श्रेष्ठ बनाने का जो कल्याणकारी कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है वह सराहनीय है।

उक्त उद्गार मध्यप्रदेश एस.सी. स्टेट कमीशन के सदस्य जगदीश रोकड़े ने ज्ञानसरोवर परिसर में ब्रह्माकुमारीज़ के स्पार्क प्रभाग द्वारा 'आध्यात्मिक प्रतिबिम्ब - अनुसंधान में समग्र दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित सेमिनार में देश के विभिन्न भागों से आए शोधकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि इस आध्यात्मिक ज्ञान से मुझे बहुत ही शांति व दिव्यता की अनुभूति हुई है। संस्था द्वारा माउण्ट आबू में संचालित ग्लोबल अस्पताल द्वारा गरीब, पिछड़े व असहाय वर्ग के लोगों की जो नि:शुल्क चिकित्सा की जा रही है वह समाज के सामने एक आदर्श है। उन्होंने इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित अनेक योजनाओं को भी बताया।

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार पद्मश्री एम.नटराजन ने कहा कि शोध के दौरान केवल तकनीकी ज्ञान ही आवश्यक नहीं होता बल्कि आध्यात्मिक ज्ञान की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हमने स्वयं यह अनुभव किया है कि जब हमारे पास उपलब्ध संसाधन व ज्ञान काम में नहीं आते, तब कोई दैवी शक्ति हमारी मदद करती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से यह अनुरोध करते हुए कहा कि हमें अपनी नॉलेज, कार्यक्षमता और बुद्धिमत्ता के साथ अपने अंदर की योग शक्ति व दिव्य शक्ति का उपयोग अपने कार्यक्षेत्र में करना चाहिए।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि भौतिक साधनों से घिरा हुआ मानव, मन की शांति से स्वयं को बहुत दूर अनुभव करता है। आज साधनों की बढ़ती अकांक्षा ने हमारे मन की एकाग्रता को भंग कर दिया है। उसमें सबसे बड़ा योगदान टीवी चैनलों का है जो भ्रमित इच्छाओं की लालसा पैदा कर देती है। जबकि आध्यात्मिकता हमें साधनों के आकर्षण से मुक्त कर साधना के पथ पर अग्रसर करता है और मानव को शांति प्रदान करता है।

उ.प्र.गन्ना कृषक बाल समिति के मैनेजिंग डायरेक्टर, कुंवर धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह स्थान विश्व के लिए लाइट हाउस की तरह है जो सर्व आत्माओं का मार्गदर्शन कर रहा है। स्पार्क प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.रमेश शाह ने कहा कि मानव जाति के विकास में विज्ञान एवं आध्यात्मिकता की समान रूप से सहभागिता है। जीवन को सुखमय बनाने के लिए भौतिकता व आध्यात्मिकता में संतुलन लाना होगा।

इस कार्यक्रम को नैरोबी के आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के चेयरमैन ब्र.कु.निजार जुमा एवं स्पार्क प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.अंबिका ने भी सम्बोधित किया।

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मध्यप्रदेश एस.सी. स्टेट कमीशन के सदस्य जगदीश रोकड़े, पूर्व वैज्ञानिक सलाकार पद्मश्री एम.नटराजन, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.रमेश शाह, उद्योगपति ब्र.कु.निजार जुमा, ब्र.कु.गीता बहन एवं ब्र.कु.अंबिका बहन।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश - 2000 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।